आय सृजन गतिविधि व्यवसाय योजना
पारम्परिक फसल (कोदरा, कंगनी एवं स्वांक की खेती एवं मूल्यवर्धन) 2024

एसएचजी/नाम	:	जालपा कृषक समूह
वीएफडीएस नाम	:	दयोला
एफटीयू/रेंज	:	जयदेवी
डीएमयू/मंडल	:	सुकेत
एफसीसीयू / सर्कल	:	मंडी

द्वारा प्रायोजित पीआईएचपीफेम और एल	द्वारा तैयार:- डीएमयू सुकेत, एफटीयू जयदेवी और जालपा कृषक समूह

विषयसूची

विवरण	पेज
परिचय	3
कार्यकारी सारांश	4
कृषक समूह का विवरण	4-7
गांव का भौगोलिक विवरण	7
आय सृजन गतिविधि से संबंधित उत्पाद का विवरण	7
उत्पादन योजना का विवरण	8
विपणन /बिक्री का विवरण	8
अर्थशास्त्र का विवरण	9-11
वित् की आवश्यकता	11
प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन	12
टिपणी	13
परियोजना की कुल लागत	13
अनुलग्नक	14-15

परिचय

हिमाचल प्रदेश राजसी, पौराणिक भूभाग है और अपनी सुंदरता और शांति, समृद्ध संस्कृति और धार्मिक विरासत के लिए प्रसिद्ध है। राज्य में विविध पारिस्थितिकी तंत्र, नदियाँ और घाटियाँ हैं, और इसकी आबादी 7.5 मिलियन है और यह 55,673 वर्ग किमी में शिवालिक की तलहटी से लेकर मध्य पहाड़ियों (MSL से 300 - 6816 मीटर ऊपर), ऊँची पहाड़ियों और ऊपरी हिमालय के ठंडे शुष्क क्षेत्रों को शामिल करता है। यह घाटियों में फैला हुआ है जिसमें कई बारहमासी नदियाँ बहती हैं। राज्य की लगभग 90% आबादी ग्रामीण क्षेत्रों में रहती है। कृषि, बागवानी, जल विद्युत और पर्यटन राज्य की अर्थव्यवस्था के महत्वपूर्ण घटक हैं। राज्य में 12 जिले हैं और 14.58% आबादी के हिसाब से मंडी दूसरा जिला है।

यह जिला मध्य हिमाचल में स्थित है और अपने पर्यटन स्थलों और हिमालयी यात्राओं के लिए प्रसिद्ध है, मंडी जिला से हिमालयी यात्राओं के लिए रास्ते कुल्लू शिमला, बिलासपुर, सोलन, हमीरपुर और कांगड़ा जिलों को जोड़ते है ये जिले मंडी जिले के पश्चिम और दक्षिण में क्रमशःउत्तर-उत्तर पूर्व, पूर्व में सीमाबद्ध हैं ।

यह जिला प्राचीन बस्तियों, पारंपरिक हथकरघा और सेब की खेती के किये प्रसिद्ध है जिसकी ब्यास और सतलुज नदी नदी मुख्य जीवन रेखा हैं ।

बल्ह घाटी जिले की सबसे बड़ी घाटी है, हालांकि अन्य घाटियों जैसे करसोग और हटली घाटियों को भी खाद्यान्न उत्पादन के लिए जाना जाता है। जिसे देवताओं की घाटी के नाम से भी जाना जाता है। मंडी शहर ब्यास नदी के तट पर स्थित है, जो बल्ह घाटी के उत्तरी भाग में है, बल्ह घाटी के लोग को कड़ी मेहनत के लिए जाने जाते हैं ।

वन और वन पारिस्थितिकी तंत्र समृद्ध जैव विविधता के भंडार हैं, और नाजुक ढलान वाली भूमि को संरक्षित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और ग्रामीण आबादी के लिए आजीविका के प्राथमिक स्रोत थे। ग्रामीण लोग अपनी आजीविका और सामाजिक-आर्थिक विकास के लिए वन संसाधनों पर सीधे निर्भर हैं। कठोर वास्तविकता यह है कि चारा, ईंधन, एनटीएफपी निकासी, चराई, आग और सूखा आदि जैसे अत्यधिक दोहन के कारण ये संसाधन लगातार कम हो रहे हैं।

दयोला वन ग्रामीण विकास समिति के तहत आजीविका सुधार गतिविधियों को लागू करने के लिए दो स्वयं सहायता समुहों का गठन किया गया है। इनमें से एक है, " जालपा कृषक समूह " पारम्परिक फसल (कोदरा, कंगनी एवं स्वांक की खेती एवं मूल्यवर्धन) से संबंधित है । इस समूह के सदस्य समाज के कमजोर वर्ग से संबंधित हैं और उनके पास कम भूमि जोत है। अपनी सामाजिक-आर्थिक स्थिति को बढ़ाने के लिए, उन्होंने पारम्परिक फसल (कोदरा, कंगनी एवं स्वांक की खेती एवं मूल्यवर्धन) करने का फैसला किया। व्यवसाय योजना तैयार करने के लिए तकनीकी सहयोग डॉ पंकज सूद, प्रमुख वैज्ञानिक, कृषि विज्ञानं केन्द्र मंडी स्थित सुंदर नगर द्वारा प्रदान किए गए थे। दल जिसमें विजय कुमार, विषय विशेषज्ञ , कार्यालय वनमंडल सुकेत, विनीता कुमारी, फील्ड टेक्निकल यूनिट कोऑर्डिनेटर जयदेवी परिक्षेत्र, हेम राज, वन रक्षक, नंदगढ़ बीट और नरेन्द्र कुमार, वनखंड अधिकारी, वन खंड नंदगढ़ शामिल रहे जिसमे वेद प्रकाश पठानिया सेवानिवृत्त हि० प्र० व० से ० के निरंतर पर्यवेक्षण और मार्गदर्शन में व्यवसाय योजना तैयार करने में योगदान रहा ।

कार्यकारी सारांश

दयोला वन ग्रामीण विकास समिति:-

डयोला वार्ड मे ग्रामीण वन विकास समिति का गठन किया गया है। यह ग्राम पंचायत सिल्हनु का वार्ड नंबर 3 है। यह हिमाचल प्रदेश में मंडी जिले के गोहर ब्लॉक में स्थित है और 31°29'33.07"N अक्षांश-76°59'49.52"E देशांतर के बीच स्थित है। डयोला वार्ड मे ग्रामीण वन विकास समिति सुकेत वन मंडल प्रबंधन इकाई (डीएमयू) के जय देवी वन रेंज के तहत नंदगढ़ ब्लॉक के नंदगढ़ बीट के अंतर्गत आता है।

परिवारों की संख्या	102
बीपीएल परिवार	07 =6.86%
कुल जनसंख्या	339
कुल मवेशी	142

कृषक समूह का विवरण

अनौपचारिक जालपा कृषक समूह का गठन सितम्बर 2023 में ग्राम दयोला में किया गया था तथा समूह को समिति के तहत कौशल और क्षमताओं को उन्नत करके आजीविका सुधार सहायता प्रदान करने के लिए चुना गया। कृषक समूह में गरीब और सीमांत किसान शामिल हैं। कृषक समूह पुरुष (दस पुरुष) है जिसमें कम भूमि संसाधन वाले समाज के सीमांत और वित्तीय कमजोर वर्ग शामिल हैं। हालांकि कृषक समूह के सभी सदस्य मौसमी सब्जियां आदि उगाते हैं, लेकिन चूंकि इन सदस्यों की भूमि बहुत छोटी है और सिंचाई की सुविधा कम है और उत्पादन का स्तर संतृप्ति के करीब पहुंच गया है, इसलिए अपनी वित्तीय आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए उन्होंने आगे बढ़ने का फैसला किया। पारम्परिक फसल (कोदरा, कंगनी एवं स्वांक की खेती एवं मूल्यवर्धन) जिससे उनकी आय में वृद्धि हो सकती है। इस कृषक समूह में 10 सदस्य हैं और उनका मासिक योगदान 100/- रुपये प्रति माह है। कृषक समूह कुछ सदस्यों का विवरण इस प्रकार है जो इस गतिविधि में शामिल है :-

फोटो के साथ एसएचजी सदस्यों का विवरण

क्र स	नाम	पद	वर्ग	उम्र	शैक्षणिक योग्यता	मोबाइल नंबर
1.	संजय कुमार	प्रधान	सामान्य	53	10th	98825 93614
2.	तेज सिंह	सचिव	〃	48	8th	98828 79628
3.	प्रदीप कुमार	कोषाध्यक्ष	〃	42	+2	98820 60125
4.	यशपाल शर्मा	सदस्य	〃	50	+2	94182 02514
5.	धर्म पाल	〃	〃	40	+2	98826 00324
6.	भवानी सिंह	〃	〃	51	10th	98826 44372
7.	हेम राज	〃	〃	44	10th	85807 20015
8.	नरेन्दर कुमार	〃	〃	43	10th	78320 62639
9.	रोशन लाल	〃	〃	61	8th	78764 60923
10.	झोवे राम	〃	〃	53	8th	62309 48792
11.						
12.						
13.						
14.						
15.						
16.						
17.						
18.						

संजय कुमार (प्रधान)

तेज सिंह (सचिव)

प्रदीप कुमार (कोषाध्यक्ष)

रोशन लाल(सदस्य)

भवानी सिंह (सदस्य)

नरेंदर कुमार (सदस्य)

झाबे राम (सदस्य)

हेमराज (सदस्य)

धर्मपाल (सदस्य)

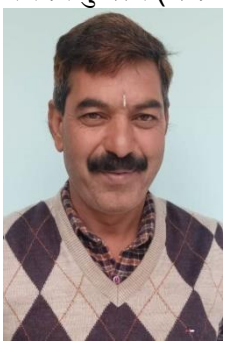
यश पाल शर्मा (सदस्य)

जालपा कृषक समूह दयोला

एसएचजी/ महिला मण्डल का नाम	::	जालपा कृषक समूह
एसएचजी/सीआईजी एमआईएस कोड संख्या	::	-
वीएफडीएस	::	दयोला
परिक्षेत्र	::	जयदेवी
वन मण्डल	::	सुकेत
गांव	::	दयोला
खंड	::	गोहर
ज़िला	::	मंडी
एसएचजी में सदस्यों की कुल संख्या	::	10
गठन की तिथि	::	सितम्बर 2024
बैंक का नाम और विवरण	::	PNB Badhu
बैंक खाता संख्या	::	2576000100927447

एसएचजी/मासिक बचत	::	रु.1000/-माह
कुल बचत	::	6000/-
कुल अंतर-ऋण	::	हां
नकद ऋण सीमा	::	-
चुकौती स्थिति		तिमाही आधार

गांव का भौगोलिक विवरण

जिला मुख्यालय से दूर	:	65 किमी
मेन रोड से दूर	: :	5 किमी (लेकिन मुख्य सड़क से 100 से 200 मीटर तक) लगभग
स्थानीय बाजार और दूर का नाम	:	सुंदर नगर 44 किमी, गोहर 12 किमी, मंडी 65 किमी लगभग ।
प्रमुख शहरों के नाम और दूर	: :	सुंदर नगर 44 किमी, गोहर 12 किमी, मंडी 65 किमी लगभग ।
प्रमुख शहरों के नाम जहां उत्पादों को बेचा/विपणित किया जाएगा	: :	सुंदरनगर, मंडी, गोहर
बैकवर्ड और फॉरवर्ड लिंकेज की स्थिति	: :	पिछली कड़ी प्रशिक्षण, (कृषि विज्ञान केन्द्र) और अग्रिम कड़ी बाजार आपूर्तिकर्ताओं में निहित है आदि।

आय सृजन गतिविधि से संबंधित उत्पाद का विवरण

उत्पाद का नाम	::	सिले सूट
उत्पाद पहचान की विधि	::	हालांकि कृषक समूह का पूरा सदस्य मौसमी सब्जी और पारंपरिक फसलें उगाता है। चूंकि उनकी भूमि जोत छोटी है, उत्पादन के संतृप्ति बिंदु तक पहुंच गई है, इसलिए वे अपनी वित्तीय आवश्यकताओं को पूरा करने में सक्षम नहीं हैं, इसलिए जालपा कृषक समूह के सदस्य द्वारा यह निर्णय लिया गया है कि पारम्परिक फसल (कोदरा, कंगनी एवं स्वांक की खेती एवं मूल्यवर्धन) से उनकी आय में वृद्धि होगी।
एसएचजी/सीआईजी/ समूह/ महिला मण्डल की सहमति	::	सहमति अनुलग्नक के रूप में संलग्न है।

उत्पादन योजना का विवरण

समय लगता है	::	ये सभी वार्षिक फसलें है
शामिल महिलाओं की संख्या	::	सभी पुरुष ।
कच्चे माल का स्रोत	::	स्थानीय बाजार / मुख्य बाजार/ स्थानीय लोग
अन्य संसाधनों का स्रोत	::	स्थानीय बाजार / मुख्य बाजार
प्रति वर्ष अपेक्षित फसल	::	50-80 किलो प्रति बीघा

विपणन /बिक्री का विवरण

संभावित बाजार स्थान / स्थान	:: ::	अन्तर्निहित गांव – दयोला आस-पास के संस्थान - स्कूल, कॉलेज आदि
उत्पाद की मांग	::	पूरे साल उच्च मांग रहती है
बाजार के पहचान की प्रक्रिया	::	कृषक समूह के सदस्य आस-पास के स्थानीय बाज़ार से संपर्क करेंगे।
विपणन रणनीति		एसएचजी सदस्य सीधे आस-पास के बाज़ारों से आदेश (व्यक्तिगत स्तर/समूह/ कृषक संस्थानों के स्तर) लेंगे।

संकट विश्लेषण

- कौशल आधारित
- जरूरत अनुसार
- अत्यधिक प्रतिस्पर्धी बाजार

सदस्यों के बीच प्रबंधन का विवरण

आपसी सहमति से कृषक समूह के सदस्य कार्य को अंजाम देने के लिए अपनी निजी भूमि में पारम्परिक फसल की खेती में अपनी भूमिका और जिम्मेदारी तय करेंगे। सदस्यों के बीच उनकी सहभागिता और श्रम के अनुसार काम का बंटवारा किया जाएगा।

- समूह के कुछ सदस्य पूर्व-उत्पादन प्रक्रिया में शामिल होंगे (अर्थात कच्चे माल की खरीद आदि)
- कुछ समूह सदस्य उत्पादन प्रक्रिया में शामिल होंगे।
- समूह के कुछ सदस्य पैकेजिंग और मार्केटिंग में शामिल होंगे।

अर्थशास्त्र का विवरण:

पूंजी लागत एवं आवर्ती लागत			
विवरण कोदरा	**मात्रा**	**दर**	**मूल्य (रु.)**
बीज (Kg)	15	150	2250
खाद (t)	5	800	4000
खाद 12:32:16 (kg)	62.5	30	1875
यूरिया (Kg)	50	7	350
कुल पूंजीगत लागत			**8475**
आवर्ती लागत			
बुवाई (कार्यदिवस)	20	500	10000
इंटरकल्चर ऑपरेशन (कार्यदिवस)	5	500	2500
कटाई एवं मंड़ाई (कार्यदिवस)	15	500	7500
कुल आवर्ती लागत			**20000**
कुल लागत = पूंजीगत+ आवर्ती (8475+20000)			**28475**

उत्पादन			
विवरण	**इकाई क्विंटल/है**	**बिक्री दर**	**कुल राशि (रु.)**
कोदरा	6.5	7000	45500

लाभ			
विवरण	**कुल आय**	लागत	**लाभ**
कोदरा	45500	28475	17025

पूंजी लागत एवं आवर्ती लागत			
विवरण स्वांक	**मात्रा**	**दर**	**मूल्य (रु.)**
बीज (Kg)	15	150	2250
खाद (t)	5	800	4000
खाद 12:32:16 (kg)	62.5	30	1875
यूरिया (Kg)	50	7	350
कुल पूंजीगत लागत			**8475**
आवर्ती लागत			
बुवाई (कार्यदिवस)	20	500	10000
इंटरकल्चर ऑपरेशन (कार्यदिवस)	5	500	2500
कटाई एवं मंड़ाई (कार्यदिवस)	15	500	7500

कुल आवर्ती लागत			**20000**
कुल लागत = पूंजीगत+ आवर्ती (8475+20000)			**28475**

उत्पादन			
विवरण	**इकाई क्विंटल/है**	**बिक्री दर**	**कुल राशि (रु.)**
स्वांक	5	8000	40000

लाभ			
विवरण	**कुल आय**	लागत	**लाभ**
स्वांक	40000	28475	11525

पूंजी लागत			
विवरण कंगनी	**मात्रा**	**दर**	**मूल्य (रु.)**
बीज (Kg)	20	200	4000
खाद (t)	5	800	4000
खाद 12:32:16 (kg)	62.5	30	1875
यूरिया (Kg)	50	7	350
कुल पूंजीगत लागत			**10225**
आवर्ती लागत			
बुवाई (कार्यदिवस)	20	500	10000
इंटरकल्चर ऑपरेशन (कार्यदिवस)	5	500	2500
कटाई एवं मंड़ाई (कार्यदिवस)	15	500	7500
कुल आवर्ती लागत			**20000**
कुल लागत = पूंजीगत+ आवर्ती (10225+20000)			**30225**

उत्पादन			
विवरण	**इकाई क्विंटल/है**	**बिक्री दर**	**कुल राशि (रु.)**
कंगनी	4.5	12000	54000

लाभ			
विवरण	**कुल आय**	लागत	**लाभ**
कंगनी	54000	30225	23775

कुल आय	
विवरण	राशि (रु.)
कुल आवर्ती लागत कोदरा=20000 स्वांक=20000 कंगनी =20000	60000
कुल पूंजीगत लागत कोदरा=8475 स्वांक=8475 कंगनी =10225	27175
कुल बिक्रय कोदरा=45500 स्वांक=40000 कंगनी =54000	139500
कुल लाभ (139500-60000-27175)	**52325**

आय और व्यय का विश्लेषण (वार्षिक):

विवरण	**राशि (रु.)**
कुल आवर्ती लागत	60000
प्रति वर्ष कुल उत्पादन	139500
शुद्ध लाभ (139500-87175)	52325
आय और व्यय का अनुपात (139500/87175)	1.60 जो काफी लाभदायक है
शुद्ध लाभ का वितरण	• लाभ मासिक/वार्षिक आधार पर सदस्यों के बीच समान रूप से वितरित किया जाएगा। • IGA में आगे निवेश के लिए लाभ का उपयोग किया जाएगा

वित् की आवश्यकता:

विवरण	**कुल राशि (रु.)**	**परियोजना योगदान**	**एसएचजी योगदान**
कुल पूंजी लागत	27175	13588	13587
कुल आवर्ती लागत	60000	0	60000
प्रशिक्षण	50000	50000	0
कुल	**137175**	**63587**	**73587**

ध्यान दें-

- **पूंजीगत लागत -** परियोजना के तहत कवर की जाने वाली पूंजीगत लागत का 50% हिस्सा होगा
- **आवर्ती लागत -** एसएचजी/सीआईजी द्वारा वहन किया जाना।
- **प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन -** परियोजना द्वारा वहन किया जाएगा

वित स्रोत:

परियोजना का समर्थन:	• पूंजीगत लागत का 50% मशीनों की खरीद के लिए उपयोग किया जाएगा। • SHG बैंक खाते में 1 लाख रुपये तक जमा किए जाएंगे। • प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन लागत।	सभी कोडल औपचारिकताओं का पालन करने के बाद संबंधित डीएमयू/एफसीसीयू द्वारा मशीनों की खरीद की जाएगी।
स्वयं सहायता समूह/ महिला मण्डल योगदान	□ पूंजीगत लागत का 50% एसएचजी/ महिला मण्डल द्वारा वहन किया जाएगा। □ स्वयं सहायता समूह/ महिला मण्डल द्वारा वहन की जाने वाली आवर्ती लागत	

प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन

प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन लागत परियोजना द्वारा वहन की जाएगी।
निम्नलिखित कुछ प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन प्रस्तावित/आवश्यक हैं:

- टीम वर्क
- गुणवत्ता नियंत्रण
- पैकेजिंग और मार्केटिंग
- वित्तीय प्रबंधन

ऋण चुकौती अनुसूची- यदि ऋण बैंक से लिया गया है तो यह नकद ऋण सीमा के रूप में होगा और सीसीएल के लिए पुनर्भुगतान अनुसूची नहीं है; हालांकि, सदस्यों से मासिक बचत और चुकौती रसीद सीसीएल के माध्यम से भेजी जानी चाहिए।

- सीसीएल में, एसएचजी के बकाया मूलधन का बैंकों को साल में एक बार पूरा भुगतान किया जाना चाहिए। ब्याज राशि का भुगतान मासिक आधार पर किया जाना चाहिए।
- सावधि ऋणों में, चुकौती बैंकों में चुकौती अनुसूची के अनुसार की जानी चाहिए।

निगरानी विधि -

- वीएफडीएस की सामाजिक लेखा परीक्षा समिति आईजीए की प्रगति और प्रदर्शन की निगरानी करेगी और प्रक्षेपण के अनुसार इकाई के संचालन को सुनिश्चित करने के लिए यदि आवश्यक हो तो सुधारात्मक कार्रवाई का सुझाव देगी।

- स्वयं सहायता समूह/ महिला मण्डल को प्रत्येक सदस्य के आईजीए की प्रगति और प्रदर्शन की समीक्षा करनी चाहिए और प्रक्षेपण के अनुसार इकाई के संचालन को सुनिश्चित करने के लिए यदि आवश्यक हो तो सुधारात्मक कार्रवाई का सुझाव देना चाहिए।

टिपणी:

समूह/ महिला मण्डल की आगामी आय को ध्यान में रखते हुए समूह/ महिला मण्डल द्वारा दूसरी प्रस्तावित गतिविधी स्वेटर एवं जुराब बुनाई है क्योंकि यह निर्णय सिद्धान्तिक रूप मे समीक्षा मिशन के समय लिया गया,है कि एक व्यवसाय योजना में एक से अधिक गतिविधी सम्मिलित की जानी चाहिए, अतः दूसरी प्रस्तावित गतिविधि नीचे संलग्न है।

परियोजना की कुल लागत है

पूंजीगत लागत = 27175/-

आवर्ती लागत = 60000/-

कटाई, सिलाई के लिए कुल =87175/-

व्यवसाय योजना का कुल योग रु. केवल 87175/-

क्रम संख्या	**व्यवसाय योजना**	**पूंजीगत लागत**	**आवर्ती लागत**	**परियोजना का हिस्सा**	**लाभार्थी अंशदान**	**कुल लागत**
1.	पारम्परिक फसल (कोदरा, कंगनी एवं स्वांक की खेती एवं मूल्यवर्धन)	27175	60000	13588	73587	87175
	कुल	**27175**	**60000**	**13588**	**73587**	**87175**

अनुलग्नक

हम सब समूह सदस्य ने आईजीए गतिविधि में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए सहमति दी है एचपी पारिस्थितिकी तंत्र प्रबंधन और आजीविका में सुधार और वीएफडीएस के साथ समन्वय के लिए जेआईसीए परियोजना के दिशानिर्देश के अनुसार समूह (पारम्परिक फसल (कोदरा, कंगनी एवं स्वांक की खेती एवं मुल्यवर्धन) द्वारा चुना गया।

सदस्यों का विवरण इस प्रकार है

क्र स	नाम	पद	वर्ग	उम्र	हस्ताक्षर
1.	संजय कुमार	प्रधान	सामान्य	53	[illegible]
2.	तेज सिंह	सचिव	,,	48	[illegible]
3	प्रदीप कुमार	कोषाध्यक्ष	,,	42	Pradeep
4	यशपाल शर्मा	सदस्य	,,	50	[illegible]
5	धर्म पाल	,,	,,	40	Dharmpal
6	भवानी सिंह	,,	,,	51	भवानी राठ
7	हेम राज	,,	,,	44	हेमराज
8	रोशन लाल	,,	,,	61	Roshn
9	नरेन्द्र कुमार	,,	,,	43	Narendar
10	सावे राम	,,	,,	53	सावेराम

प्रधान सचिव
जालपा कृषक समूह शिल्हणू
-ग्राम पंचायत शिल्हणू
हस्ताक्षर तह0 चच्योट, जिला मण्डी (हि.प्र.)
सचिव स्वयं सहायता समूह

प्रधान सचिव
जालपा कृषक समूह शिल्
ग्राम पंचायत शिल्हणू
हस्ताक्षर तह0 चच्योट, जिला मण्डी (हि.प्र.)
प्रधान स्वयं सहायता समूह

President Secretary
Dayala Village Forest Development
Committee, G.P. Shilhnu
Teh. Chachyot. Distt. Mandi (H.P.)
हस्ताक्षर
सचिव ,वन ग्रामीण विकास
समिति

प्रधान
डयोला ग्रामीण वन विकास समिति,
नन्दगढ़, डा0 शिल्हणू तह0 चच्योट
जिला मण्डी (हि0प्र0)
हस्ताक्षर
प्रधान ,वन ग्रामीण विकास
समिति

हस्ताक्षर
वन रक्षक

हस्ताक्षर
वन खण्ड अधिकारी

हस्ताक्षर
Range Forest Officer
Jai वन परिक्षेत्र अधिकारी
Jai Devi, Distt. Mandi (H.P.)

डीएमय द्वारा स्वीकृत
Divisional Forest Officer
Suket Forest Division
Sundernagar (H.P.) - 175018